No. of Printed Pages : 6

BPYC–131

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY

(BAG)

Term-End Examination

June, 2024

BPYC–131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Write an essay on the philosophical and ethical underpinnings of 'Mahabharat.' 20

Or

Explain and evaluate Shankar's concept of Reality. 20

2. What is Anumāna (inference) ? How does Cārvāka prove that Anumāna is not a Prāmana ? 20

Or

How does Sāṁkya philosophy prove the existence of Puruṣa and Prakṛti ? Explain. 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Write a note on the concept of Abhāva in Vaiśeṣika philosophy. 10

   (b) What are the main characteristics of Indian philosophy ? Explain briefly. 10

   (c) Write a note on the division of Indian philosophical schools. 10

   (d) Describe the nature of self, according to Katha Upaniṣhad. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Distinguish between Svatah Pramāṇya and Paratah Pramāṇya. 5

   (b) Write a note on Yogaj perception. 5

   (c) Critically evaluate Syādvād of Jain philosophy. 5

(d) Write a note on the philosophical implications of Pratītyasamutpāda. 5

(e) Write a note on the concept of reality in Kāshmīr Śaivism. 5

(f) Discuss briefly the means of realization (Mokśa) in Ramānuja's philosophy. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Samavāya 4

(b) Upamāna in Nyāya philosophy 4

(c) Bhūmā vidyā 4

(d) Śūngyavāda of Nāgārjuna 4

(e) Śruti 4

(f) Pudgala in Jain philosophy 4

(g) Aṇupramāna 4

(h) Aṣtāńga Yoga 4

BPYC–131

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.पी.वाई.सी.-131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक ***1*** *और* ***2*** *का उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. 'महाभारत' के दार्शनिक एवं नैतिक निहितार्थों पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

शंकराचार्य के सत् की अवधारणा की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए। 20

2. अनुमान क्या है ? चार्वाक यह कैसे सिद्ध करते हैं कि अनुमान एक प्रमाण नहीं है ? 20

अथवा

सांख्य दर्शन पुरुष और प्रकृति के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करता है ? व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) वैशेषिक दर्शन में अभाव की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 10

(ब) भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(स) भारतीय दार्शनिक संप्रदायों के वर्गीकरण पर टिप्पणी लिखिए। 10

(द) कठोपनिषद् के अनुसार आत्मा की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) स्वत: प्रमाण्य और परत: प्रमाण्य के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ब) योगज प्रत्यक्ष पर टिप्पणी लिखिए। 5

(स) जैन दर्शन के स्याद्वाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 5

(द) प्रतीत्यसमुत्पाद के दार्शनिक निहितार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 5

(य) काश्मीर शैव दर्शन में सत् की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 5

(र) रामानुज के दर्शन में आत्मानुभूति के उपाय (मोक्ष) की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4

(अ) समवाय 4

(ब) न्याय दर्शन में उपमान 4

(स) भूमा विद्या 4

(द) नागाज़ुन का शून्यवाद 4

(य) श्रुति 4

(र) जैन दर्शन में पुद्गल 4

(ल) अनुप्रमाण 4

(व) अष्टांग योग 4